सूक्ष्म जीव मित्र तथा शत्रु

28

एक फफूंदी वाली पार्टी

''मेरा पेट एकदम भर गया।'', विजय ने खाने की प्लेट आगे खिसकाते हुए कहा। उन्होंने राघव के घर अभी-अभी दोपहर का भोजन किया है।

''आंटी अब हम बचे हुए भोजन का क्या करेंगे?'', नूपुर ने टेबल साफ करते हुए पूछा।

''आप लोग इस खाने को अगले हफ्ते की पार्टी के लिए सुरक्षित करके क्यों नहीं रख लेते?'', राघव की मम्मी ने एक रहस्यमयी हँसी के साथ कहा।

''एक और पार्टी?'', आदित्य ने पूछा। ''यह तो बहुत अच्छा है।'' उसे खाना अच्छा लगता है। ''क्यों नहीं आंटी! इसी जगह, इसी समय पार्टी करते हैं। ठीक है?'', आदित्य ने कहा।

एक सप्ताह पश्चात् सभी उत्साहित थे। सारे बच्चे राघव के घर पर आकर इक्ट्ठे हो गए। ''आँटी, आपने हमसे वादा किया था एक और पार्टी का। है कि नहीं?'', आदित्य ने उत्साह से प्रश्न किया। ''हाँ, क्यों नहीं! खासतौर से फफूंदी की पार्टी। आओ, अपने आप आकर देखो।'', आंटी ने कहा। नूपुर और विजय यह जानने के लिए उत्सुक थे कि उनके बचे हुए भोजन का एक सप्ताह में क्या हुआ। यदि आपके मन में फफूंद के लिए अच्छी भावनाएँ हैं तो आप भी इस पार्टी का आनंद उठाएँगे। क्या आप जानना चाहते हैं कि उन्होंने यह सब किस प्रकार से किया?

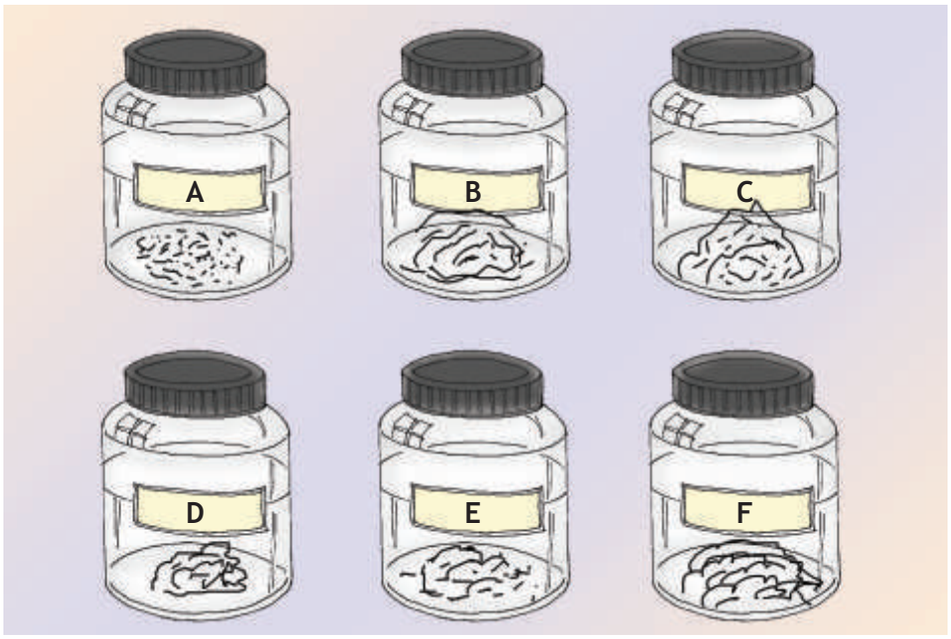

चित्र 1

आवश्यक सामान

कांच के छः खाली जार, मैग्नीफाईंग ग्लास, खाने के नमूने।

क्या करें

- कांच के खाली जार लें जिन पर ढक्कन लगा हो। (जैम, अचार आदि के खाली डिब्बे साफ करके उपयोग करें।)
- अब इन्हें अ, ब, स, ड, इ और फ लिखकर अंकित करें।
- बचे हुए खाने को जैसे फल की चाट को जार 'अ' में, पोहा जार 'ब' में, चिप्स जार 'स' में, रायता जार 'ड' में, डबलरोटी जार 'इ' में तथा बिस्कुट/पापड़ को जार 'फ' में डालकर ढक्कन सही से बंद कर दें।
- इन सारे जार को एक सप्ताह तक किसी कोने में बंद कर दें। (यह बात ध्यान रखें कि इन जार को ऐसी जगह रखें जहाँ से कोई इनके भीतर रखी सामग्री को बेकार समझकर फेंक न दे।)
- आपके अनुसार इन सभी जार में 3 दिन के पश्चात् तथा एक सप्ताह के पश्चात् कौन-से बदलाव आए हैं।

आपने जो अवलोकन किया उसे नीचे दी गई तालिका में लिखें।

3 दिन के पश्चात् तथा एक सप्ताह के पश्चात् बदलाव							
क्र.सं.	खाने के नमूने	गंध		रंग		रूई जैसी चीष का उगना	
		3 दिन बाद	एक सप्ताह बाद	3 दिन बाद	एक सप्ताह बाद	3 दिन बाद	एक सप्ताह बाद
1.	बोतल 'अ' फल चाट						
2.	बोतल 'ब' पोहा						
3.	बोतल 'स' आलू चिप्स						
4.	बोतल 'ड' रायता						
5.	बोतल 'इ' डबलरोटी						
6.	बोतल 'फ' बिस्कुट या पापड़						

आपके निरीक्षण के आधार पर, उस खाने की चीज़ का नाम लिखो जिसके –

		3 दिन बाद	एक सप्ताह बाद
1.	रंग में बदलाव आया		
2.	जिसकी गंध में बदलाव आया		
3.	जिस पर फफूंद आ गई।		

नोट : यह क्रियाकलाप केवल बरसात के दिनों में करना चाहिए।

मैंने सीख लिया है

- बदलाव/क्षय का होना कुछ भोजन सामग्री में। उनकी गंध, रंग तथा रुई जैसी चीज का आना।
- यह बदलाव फफूंद की वृद्धि के कारण आते हैं।
- फफूंद उस समय आने लगती है जब पोषक तत्वों में, सही तापमान और नमी मौजूद हो।
- ध्यान रहे ऐसे भोजन को न खाएँ जिस पर फफूंद लगी हो।
- भोजन को सूक्ष्मजीवों से बचाने के लिए इसे भलीभांति सुरक्षित रखना आवश्यक है।